भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
03.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 594 का उत्तर

केरल में सेमी-हाई स्पीड रेल परियोजना

594. एडवोकेट अदूर प्रकाश:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या रेलवे बोर्ड ने केरल राज्य सरकार द्वारा राज्य में सेमी-हाई स्पीड रेल परियोजना (सिल्वर लाइन) के लिए प्रस्तुत प्रस्तावों के लिए कोई विकल्प सुझाया है/योजना बनाई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार को इस परियोजना पर पुनर्विचार के लिए राज्य सरकार की ओर से कोई पत्र प्राप्त हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): केरल रेल विकास निगम लिमिटेड (केआरडीसीएल), जो केरल राज्य सरकार (51%) और रेल मंत्रालय (49%) की संयुक्त उद्यम कंपनी है, द्वारा केरल में तिरूवनंतपुरम से कासरगोड तक सिल्वर लाइन विकास के लिए चिह्नित की गई है। सर्वेक्षण के बाद, केआरडीसीएल ने इस परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत कर दी है। प्रस्तावित संरेखण भारतीय रेल लाइनों के समानांतर और सन्निकटता से गुजर रहा था। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) में कई खामियां हैं। इसलिए, केआरडीसीएल को दक्षिण रेलवे द्वारा उन खामियों को दूर करने और बड़ी लाइन अपनाने, उपयुक्त बिंदुओं पर मौजूदा भारतीय रेल नेटवर्क के साथ एकीकरण करने, भारतीय रेल

नेटवर्क के साथ एकीकरण हेतु बड़ी आमान लाइन को अपनाने, फ्लैटर रूलिंग ग्रेडिएंट, कवच का प्रावधान करने, 2x25 केवी के साथ विद्युतीकरण, यार्ड और खंडों के लिए उचित जल निकासी योजना, निर्माण और परिचालन के दौरान पर्यावरण संबंधी समस्याओं का समाधान करने आदि जैसे नवीनतम तकनीकी मानकों के अनुसार संशोधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की सलाह दी गई है। प्रस्तावित परिवर्तनों का उद्देश्य लाइन क्षमता उपयोगिता, मौजूदा रेल नेटवर्क के साथ एकीकरण आदि में सुधार लाना है।

इसके अलावा, इस क्षेत्र में संपर्कता में सुधार लाने तथा क्षमता में वृद्धि हेतु निम्नलिखित सर्वेक्षण किए गए हैं : -

क्र. सं.	मार्ग	लंबाई (कि.मी.)
1	कायमकुलम-तिरुवनंतपुरम तीसरी लाइन	105
2	एरणाकुलम-कायमकुलम तीसरी लाइन (वाया कोट्टयम)	115
3	षोरणूर-मंगलूरु तीसरी और चौथी लाइन	307
4	कोयम्बत्तूर- षोरणूर तीसरी और चौथी लाइन	99
5	तिरुवनंतपुरम-नागरकोविल तीसरी लाइन	71
6	षोरणूर - एरणाकुलम तीसरी लाइन	106

<u>केरल</u>

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। केरल राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से स्थित अवसंरचना परियोजनाओं एवं संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	372 करोड़ रुपए प्रति वर्ष
2025-26	3,042 करोड़ (8 गुना से अधिक)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, केरल राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से स्थित 06 परियोजनाएँ (02 नई लाइन और 04 दोहरीकरण) जिनकी कुल लंबाई 266 कि.मी. और लागत ₹9,415 करोड़ है, योजना/मंजूरी/क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें से 26 कि.मी. लंबाई चालू कर दी गई है और मार्च 2025 तक ₹3,250 करोड़ का व्यय उपगत किया गया है। इसका सारांश निम्नानुसार है :-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई	कमीशन की गई लंबाई	शेष	मार्च, 2025 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	02	146 कि.मी.	0 कि.मी.	146 कि.मी.	309
दोहरीकरण /मल्टीट्रैकिंग	04	120 कि.मी.	26 कि.मी.	94 कि.मी.	2,941
कुल	06	266 कि.मी.	26 कि.मी.	240 कि.मी.	3,250

हाल ही में केरल राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली संपन्न की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	दिंडुक्कल-पोल्लाच्चि-पालघाट और पोल्लाच्चि-कोयम्बतूर आमान परिवर्तन (217 कि.मी.)	1,360
2	कोल्लम-तिरुनेलवेली-तिरूच्चेंदूर आमान परिवर्तन (357 कि.मी.)	1,122
3	मुलंतुरुत्ती-कुरूप्पनत्तरा दोहरीकरण (24 कि.मी.)	303
4	चेंगन्नूर-चिंगवनम दोहरीकरण (27 कि.मी.)	436
5	अम्बलप्पुषा-हरिप्पाड दोहरीकरण (18 कि.मी.)	346
6	कुरूप्पनतरा-चिंगवनम दोहरीकरण (27 कि.मी.)	749

केरल राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली शुरू की गई मुख्य परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	अंगमालि-सबरीमाला नई लाइन (111 कि.मी.)	3,727
2	एरणाकुलम-कुम्बलम दोहरी (8 कि.मी.)	595
3	कुम्बलम-तुरवूर कहीं-कहीं दोहरीकरण (16 कि.मी.)	803
4	तिरुवनंतपुरम - कन्याकुमारी दोहरीकरण (87 कि.मी.)	3,786
5	षोरणूर - वल्लत्तोल दोहरीकरण (10 कि.मी.)	367

पिछले तीन वर्षों में (अथार्त 2022-2023, 2023-2024, 2024-25 और चालू वित्तीय वर्ष 2025-26) केरल राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली कुल 9 अदद सर्वेक्षण (3 नई लाइन और 6 दोहरीकरण) जिनकी कुल लंबाई 1,124 किलोमीटर है, स्वीकृत किए गए हैं और सर्वेक्षण कार्य शुरू कर दिया गया है

केरल राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। केरल राज्य में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है :

केरल में परियोजनाओं के लिए अपेक्षित कुल भूमि	476 हेक्टेयर
अधिगृहित की गई भूमि	65 हेक्टेयर (14%)
अधिगृहण के लिए शेष भूमि	411 हेक्टेयर (86%)

रेलवे ने केरल सरकार को भूमि अधिग्रहण के लिए 1975 करोड़ रुपए जमा किए हैं। भूमि अधिग्रहण कार्यों में तेजी लाने के लिए केरल सरकार के सहयोग की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, भूमि अधिग्रहण के कारण लंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार हैं:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	अपेक्षित कुल भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत किए जाने हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1.	अंगमालि-सबरीमाला नई लाइन (111 कि.मी.)	416	24	392
2.	एरणाकुलम-कुम्बलम दोहरीकरण (8 कि.मी.)	4	1	3

3.	कुम्बलम-तुरवूर पैच दोहरीकरण (16 कि.मी.)	10	6	4
4.	तिरुवनंतपुरम - कन्याकुमारी दोहरीकरण (87 कि.मी.)	41	33	8
5.	षोरणूर - वल्लत्तोल दोहरीकरण (10 कि.मी.)	5	0	5

भारत सरकार परियोजनाओं के निष्पादन के लिए पूरी तरह तैयार है, बहरहाल इसकी सफलता केरल सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रत्याशित यातायात अनुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली आरंभिक और अंतिम छोर संपर्कता
- मिसिंग लिंकों का संयोजन और वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्द्धन
- राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगें,
- रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएं
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की समग्र उपलब्धता

रेल परियोजनाओं की पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल है:

- राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी मंजूरी
- बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां
- क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक परिस्थितियां
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना विशेष के स्थल के लिए किसी वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

*****